**कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) बाराबंकी।**

पत्रांक 5828 / कार्या-25 / 132 दिनांक 30/06/2026

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण)
उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण)
लखनऊ।

**विषयः— समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपरोक्त विषयक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर **'294 परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट मिली फर्जी'** के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि दिनांक 23.06.2026 को जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक आयोजित की गयी, जिसमें जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति समीक्षा की गई। जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद बाराबंकी में कुल 849 नग पेयजल योजनायें स्वीकृत हैं। वर्तमान में स्वीकृत योजनाओं अन्तर्गत 890 नग ट्यूबवेल निर्माण, 730 नग सोलर अधिष्ठापन, 855 नग पम्प हाउस, 9567.00 किमी0 वितरण प्रणाली, 248 नग शिरोपरि जलाशय एवं 355379 नग हाउस कनेक्शन का कार्य पूर्ण कराते हुए 868 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है तथा 125 नग पेयजल योजनायें अनुरक्षण एवं संचालन की श्रेणी (O&M) में जा चुकी हैं। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी महोदय द्वारा 294 नग पेयजल योजनायें, जिनकी प्रगति 80 प्रतिशत से अधिक है, की समीक्षा की गयी, जिसमें कुछ योजनाओं में रोड रेस्टोरेशन कार्य एवं नियमित जलापूर्ति के सम्बन्ध में कमियां परिलक्षित होने पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा काफी नाराजगी व्यक्त की गयी एवं परिलक्षित कमियों को समयान्तर्गत ठीक न कराये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस सम्बन्ध में जनपद अन्तर्गत अनुबन्धित समस्त फर्मो को निर्धारित समयावधि में योजनाओं के कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराने एवं नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित किये जाने हेतु निर्देशित कर दिया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिये गये निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन किया जा रहा है।

आख्या सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

भवदीय,

(अमित कुमार)
अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 एवं दिनांक यथोपरि।

प्रतिलिपि—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1— अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन,लखनऊ।
2— मुख्य अभियन्ता (ल0क्षे0), उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ।
3— अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), अयोध्या।
4— जिलाधिकारी, बाराबंकी।
5— मुख्य विकास अधिकारी, बाराबंकी।
6— जिला सूचना अधिकारी, बाराबंकी।
7— समस्त सहा0अभि0।
8— प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 पी0एन0सी0/मै0 मेघा इंजीनियरिंग/मै0 वी0एस0ए0/मै0 गायत्री—रेमकी/मै0 वी0टी0एल0 को इस निर्देश के साथ कि 80 प्रतिशत से अधिक प्रगति वाली उक्त 294 पेयजल योजनाओं के समस्त कार्य जिलाधिकारी महोदय द्वारा ली जाने वाली अगली बैठक से पूर्व प्रत्येक दशा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा की स्थिति में फर्म के विरूद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने हेतु बाध्य होना पड़ेगा।

अधिशासी अभियन्ता

Scanned with OKEN Scanner

# जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार उजागर, बाराबंकी में 294 परियोजनाओ की प्रगति रिपोर्ट मिली फर्जी

By टीम पहरेदार | Updated Date June 24, 2026

**बाराबंकी।** उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन में लगातार खामियां उजागर होती जा रही हैं। भ्रष्टाचार का गुब्बार भी फूटने लगा है। लगातार पानी की टंकियों के गिरने, उनके टूटने के वीडियो सामने आ रहे हैं। अब 294 परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट ही फर्जी मिली है। ये मामला बाराबंकी का है, जहां समीक्षा बैठक में ये बड़ा भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। दरअसल, बाराबंकी के जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के तहत संचालित परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

पढ़ें :- जल जीवन मिशन तो इस सरकार का लूट का मिशन बन गया, प्रदेश भर में लगातार गिर रही हैं पानी की टंकियां: अखिलेश यादव

इस बैठक में 294 परियोजनाओं की परियोजनावार समीक्षा की गई, जिसकी प्रगति संबंधित रिपोर्ट देखी गई तो 80 प्रतिशत प्रगति दिखाई गई थी। इस पर कार्य रिपोर्ट और सत्यापन रिपोर्ट में अंतर पाया गया, जिसके बाद सहायक अभियंता को प्रतिकूल प्रविष्टि दिए जाने के निर्देश दिए गए। वहीं, परीक्षण में अनेक परियोजनाओं में विभागीय प्रगति रिपोर्ट एवं वास्तविक स्थलीय स्थिति के मध्य भिन्नता पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि अगली समीक्षा बैठक से पूर्व सभी कमियों का प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

### पूरे यूपी में जल जीवन मिशन योजना पर उठ रहे सवाल

दरअसल, ये मामला केवल बाराबंकी तक ही सीमित नहीं है। पूरे उत्तर प्रदेश में अगर जल जीवन मिशन योजना की जांच सही से हो जाए तो इससे बड़े–बड़े भ्रष्टाचार उजागर होंगे। प्रगति रिपोर्ट के नाम पर अधिकारी खूब गुमराह कर रहे हैं। प्रदेश के ज्यादातर जगहों पर अभी पानी की टंकियां तक नहीं बन पाई हैं। यही नहीं, कई जगहों पर पानी की सप्लाई के लिए पूरी पाइप भी नहीं पड़ पाई है, जिसको लेकर स्थानीय स्तर पर लगातर लोग सवाल खड़े कर रहे हैं लेकिन उनकी कहीं भी सुनवाई नहीं हो पा रही है।

### पीएम की महत्वाकांक्षी योजना में अधिकारियों ने लगाया सेंध

जल जीवन मिशन योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत लोगों तक स्वच्छ जल पहुंचाने की तैयारी है लेकिन अधिकारियों ने इस योजना में सेंध लगाकर खूब बंदरबांट कर रहे हैं। जल जीवन मिशन योजना की उत्तर प्रदेश में केवल जांच हो जाए तो कई अधिकारी बेनकाब हो जाएंगे। इन्होंने प्रगति रिपोर्ट के नाम पर अधिकारियों को खूब गुमराह किया है, जबकि हकीकत उससे कोसों दूर है।

Scanned with OKEN Scanner